DOON UNIVERSITY
NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

दून के डीएवी पीजी कॉलेज में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का शुक्रवार को दून विश्वविद्यालय की वीसी प्रो.सुरेखा डंगवाल ने दीप जलाकर शुभारंभ किया।

'विश्व में पहचान बना रहा भारतीय ज्ञान'

डीएवी पीजी कॉलेज में आयोजित गोष्ठी को दून विवि की कुलपति सुरेखा डंगवाल ने दिया व्याख्यान

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। पूरे विश्व में भारत की ज्ञान परंपरा के महत्व को पहचाना जा रहा है। वर्तमान में भी यह देखा गया है कि जो बातें पश्चिमी वैज्ञानिकों ने कही है वह हमारी प्राचीन संस्कृति में भी वर्णित हैं। ये बात दून विवि की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने शुक्रवार को डीएवी कॉलेज में भारतीय ज्ञान प्रणाली और भविष्य की संभावनाएं विषय पर आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर कही।

उन्होंने यूकास्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत, ओएनजीसी के सचिव एसके शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. एके नौरियल, दून विवि के प्रोफेसर एचसी पुरोहित, डीएवी के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, आयोजन सचिव डॉ. रवि शरण दीक्षित और संयोजक डॉक्टर गुंजन पुरोहित ने दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने कहा कि इंडियन नॉलेज सिस्टम के महत्व ने पूरी दुनिया को सजग कर दिया है। इस कांफ्रेंस के प्रकाशित शोध पत्रों से निश्चित भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए एक आधारभूत संरचना तैयार की जाएगी। डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि शोध के लिए ओएनजीसी छात्र-छात्राओं का सहयोग करेगा। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर सुनील कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा सदियों पुरानी है और इसने पूरी दुनिया को सिखाया है। संस्कृति शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. चंडी प्रसाद घिल्डियाल ने कहा कि जो ज्ञान भारत से पूरी दुनिया में निकला था हमें आज उसकी खुद तलाश करनी होगी। तभी हम विश्व गुरु बन सकेंगे। कार्यक्रम में एसजीआरआर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. वी के दीक्षित, डॉ. रमाकांत श्रीवास्तव सहित कई लोग मौजूद रहे।

News paper – Hindustan
Date – 25.05.2024